ढुंढाड़ी भाषा त्रैमासिक पत्रिका

आपणो ढूंढाड़, आपणी भासा

जनवरी सूं मारच-2019

प्रकाशक

निर्माण सोसायटी, चाकसू

ढुंढाड़ी भासा मअ सरकार की योजना

राजीव गांधी किसान साथी योजना

पाळत्यां को साथ देबाळी योजना (योजना को लाभ अलग-अलग सूं दियेड़ो छ।)

1. पाळती अर खेती करबाळा मजदूर जे खेती मअ खेती का ओजारां नअ काम मअ ले जद, (जिंमअ खेती सूं समन्धी सिचाई का काम बी सामल छ)

2. सिचाई को काम जद कुवो खोदती टेम, बोरिंग लगाती टेम, बोरवेल चलाती टेम, बीजळी का करंट लागबा सूं या फेर खेत मअर जाबाळी बीजळी की लेण का तार टूटबा सूं मोत हअ जावअ या अंग-भंग हअ जावअ जद।

3. पाळती जद खेतां मअ साख-बाड़ी, फळ-फूल या साग-सबज्यां पअ कोई बी रासायनिक दुवाई को छड़काव करती टेम कोई दुरघटना मअ मोत हअ जावअ जद।

4. बडी मण्डी कअ मांईंनअ अर छोटी मण्डी कअ मांईंनअ या फेर सरकार का दियेड़ा टेम-टेम पअ खेती का ओजारां सूं मोत या अंग-भंग हअ जावअ जद।

5. मण्डी मअ काम करती टेम या बोर्यां की धांग लगाती टेम मोत या फेर अंग-भंग हअ जावअ जद।

6. मण्डी कअ आस-पास टेकटर-टरोली, ऊंट-लड्डो, बळद-गाडी, पाडा-गाडी या दूसरो कोई बी सादन उळट जावअ जद, दुरघटना मअ कास्तगार की मोत या अंग-भंग हअ जावअ जद।

7. मण्डी मअ काम करबाळा पलदार या मजदूर की मण्डी कअ मांईनअ काम करती टेम दुरघटना मअ मोत या अंग-भंग हअ जावअ जद।

8. खुद का या कराया का सादन मअ पअदावार नअ मण्डी मअ ल्याती टेम या फेर बेच'र जाती टेम (दूसरअ दन) जिंमअ कास्तगार खुद बी हअवअ, अगर गेला मअईं दुरघटना मअ मोत या अंग-भंग हअ जावअ जद।

9. कास्तगार या खेती करबाळा मजदूर खेती का काम सूं टेकटर, बळद-गाडी, ऊंट-गाडी खेत पअ आती या जाती टेम दुरघटना मअ मोत या फेर अंग-भंग हअ जावअ जद।

10. पूरा रास्तान मअ कोडअ बी कुट्टी काटबा की मसीण अर खेती का ओजार सूं पाळती/मजदूर आदमी-लुगायां का हात-पग या बाळ मसीण मअ आबा सूं मोत या अंग-भंग हअ जावअ जद।

11. पाळती/खेती करबाळा अर मजदूर खेती को काम करती टेम स्यांप या जअरीलो ज्यानबर खाबा सूं या ऊंट का खाबा सूं मोत या फेर अंग-भंग हअ जावअ जद।

12. खेती को काम करती टेम आकास मअ सूं बीजळी पड़ जावअ जिंमअ मोत या अंग-भंग हअ जावअ जद।

13. खेती को काम करती टेम रीड की हड्डी टूट जावअ तो, ऊंनअ दो अंग टूटबा जतरी मानर ऊंकअ बराबर मुवावजो मलअलो।

14. खेती को काम करती टेम माथा मअ चोट लागबा सूं कोमा मअ चल जावअ तो ऊंनअ दो अंग पूरा टूट जावअ जतरो मानर ऊंकअ बराबर मुवावजो मलअलो।

15. खेती की रुखाळी, ढाण्डा चराती टेम या रूंखड़ा नअ छांगती टेम कोई दुरघटना घट जावअ जद।

16. खेती को काम करती टेम कुवा-कोठी मअ डूब'बा सूं मोत हअ जावअ जद।

सायता लेबा की सरत	सरकार सूं मलबाळा पीसा
मोत हअबा सूं परवार नअ।	2,00000.00
दो अंग जस्यांन दोनी हात, दोनी पग, दोनी आंख, कोई एक-एक अंग, न्यारे-न्यारे कटज्या जद।	50,000.00
रीड की हड्डी टूटबा या माथा मअ चोट सूं कोमा मअ चल जावअ जद।	40,000.00
आदमी या लुगाई का कुट्टी की मसीण मअ माथा का बाळ आ जावअ जद।	40,000.00
आदमी या लुगाई का माथा का बाळ मसीण मअ आबा सूं आदा बाळ कट जावअ जद।	25,000.00
एक अंग जस्यांन एक हात, आंख, पंज्यो या पग का अंग-भंग हअ जावअ जद।	25,000.00
च्यार आंगळयां कटर न्यारी हअ जावअ जद।	15,000.00
तीन आंगळयां कट जावअ जद।	10,000.00
दो आंगळयां कट जावअ जद।	10,000.00
एक आंगळी कट जावअ जद।	5,000.00

ईं योजना को लाब लेबा बेई जरूरी कागजात:-

1. ईं योजना मअ दियेड़ी सरतां का स्याब सूं कोई बी पाळती की मोत हअज्या तो ऊंको डागदर म्यानो अर पुलिस की रिपोट कराबो जरूरी छ।

2. ईं योजना मअ दियेड़ी सरतां का स्याब सूं कोई बी पाळती को अंग-भंग हअज्या तो ईं योजना को लाब लेबा बेई डागदर अर पुलिस की रिपोट, जांच अर दुवाई की परच्यां साथ मअ हअबो जरूरी छ। नईं तो थे ईं योजना को लाभ कोन ले सकअ।

जेविक खेती या देसी खेती

जेविक खेती कांई छः-

असी खेती जे जमी, पाणी अर हवा नअ खराब कर्यां बना ईं चोखी पअदावार दे सकअ छ। जेविक खेती मअ यूरिया, डी ए पी खात अर रसायनिक दुवायां नअ काम मअ कोन लेर, देसी खात नअ काम मअ लेर खेती करअ छ, ऊंनअ जेविक खेती खवअ छ।

जेविक खेती को लाभः-

जेविक खेती रसायनिक खेती की बजाई घणी सस्ती हअ छ। या एक सुद्ध अर जनम-जात खेती बी छ। ईं खेती मअ जमी नअ नुकसाण कोन हअ अर जमी मअ हर साल जियां की जियां पअदा हअती रअ छ। ईं खेती कअ ताणी देसी खात हअबो जरूरी छ, जियां गोबर को खात, केंचवा को खात अर पेड-पोदां का फळ-फूल अर पत्ता नअ सड़ा-गळार खात त्यार करअ छ। यो खात जेविक खेती करबा मअ घणो काम मअ आवअ छ। ईं खात सूं खेती करअ जद, फसल मअ बेमार्यां अर कीड़ा-मकोड़ा कम सूं कम लागअ छ। जिसूं पाळत्यां नअ फसल मअ जअरीली दुवाई देबा की जरूरत कोन पड़अ। जेविक खेती को यो लाभ छ की ईंकी पअदावार मअ जअरीली दुवाई कोन रअ अर पअदावार पूरी सुद्ध रअ छ। ई फसल मअ रसायनिक खात कोन हअबा सूं पअदावर को सुवाद घणो चोखो लागअ छ अर या ताकत मअ बी भरपूर रअ छ।

1. जेविक खेती जमी की उपजाऊ समता नअ बढ़ावअ छ।
2. फसल मअ पाणी कम देबा की जरूरत पड़अ छ।
3. रसायनिक खात कोन ल्याबा सूं खेती मअ लागत बी कम लागअ ली।
4. पअदावार बी जादा हअवअ छ।
5. बजार मअ जेविक खेती की मांग हअबा सूं पाळती मीसाळा हअ जावअला।
6. कूड़ा-कचरा को खात बणालेला तो बेमार्यां बी कम हअली।
7. जमी मअ पअदा हअबाळी चीजां मअ अर जमी का पाणी मअ हअबाळा प्रदूसण नअ बी कम करअ छ।

थां सगळा पाळती भायां सूं म्हांकी याई अरदास छ कअ थे जादा सूं जादा जेविक खेती (देसी खेती) अपणाओ, या थांनअ बेमार्यां सूं बी बचावअली अर सस्ती बी छ। अगर थांनअ या खेती करबा मअ कांई बी परेसानी आवअ तो थे निरमाण सनस्था सूं मल सको छो, या सनस्था थांकी बना पीसा लिया मदद करअली। जादा जाणकारी लेबा बेई थे म्हांका पता पअ आर बी मल सको छो या फेर म्हानअ फोन बी कर सको छो।

अणपड रअबो अतरी सरम की बात कोनअ, जतरी कि सीखबा की मनमअ न रांखबो। – बेंजामिन फ्रैंकलिन

थापड़्यां सूं पोदां नअ बडाबा अर जोरवांन करबा की दुवाई

(उपलों से बना ह्यूमिक एसिड)

थापड़्यां सूं पोदां नअ बडाबा अर जोरवांन करबा की दुवाई बणअ छ। थापड़्यां सूं बणेड़ी दुवाई ह्यूमिक एसिड कअ बराबर काम करअ छ। ई दुवाई नअ छोटा पेड-पोदां नअ बडाबा अर जोरवांन करबा बेई काम मअ ले छ।

दुवाई बणाबा की सामगरीः-

25-30 थापड़्यां या छाणा लेल्यो।

50 लीटर को एक राछ या पलास्टिक की टंकी लेल्यो।

दुवाई बणाबा को तरीकोः-

एक 50 लीटर पाणी साबाळो राछ या पलास्टिक की टंकी मअ दो साल पराणी थापड़्यां या छाणा नअ दाबड़ा की जियां जमार टंकी नअ पूरी भरल्यो। फेर टंकी मअ उपरअ तक पाणी सूं पूरी भरल्यो। अब ई टंकी नअ सात दन तक मली रअबाद्यो अर नतकई दन मअ एक या दो बार हलाद्यो ताकि पाणी मअ हलचल हअती रअ (टंकी मअ डण्डा सूं न हलाणो, नईं तो सगळी थापड़्यां फूटज्याली)। सात दन पाछअ थापड़्यां का पाणी नअ नखाळर न्यारो करल्यो अर थापड़्यां नअ सुकार बाळबा का काम मअ ले सकअ छ।

ई दुवाई नअ काम मअ लेबा को तरीकोः-

थापड़्यां का पाणी की दुवाई पोदां नअ बडाबा अर जोरवांन करबा कअ तोड़ी घणी बडिया छ। थापड़्यां का पाणी की दुवाई एक बाल्टी मअ सादा तीन बाल्टी का स्याब सूं पाणी नअ मलार दुवाई त्यार करल्यो। अब ई दुवाई नअ खड़ी फसल पअ छड़काव करद्यो। दुवाई को छड़काव करबा सूं फसल बडी अर जोरवांन हअज्याली। अगर थांकन एक एकड़ जमी छ तो 50 लीटर थापड़्यां का पाणी की दुवाई हअणी चाईजे। 50 लीटर थापड़्यां का पाणी मअ सादा तीन गुणा पाणी मलाबा सूं 200 लीटर पाणी की दुवाई त्यार हअज्याली।

अगर थे फसल नअ ओर बी बडिया बणाबो चावो छो तो थापड़्यां का पाणी की दुवाई बणार सात दन पाछअ एक बार ओर छड़काव करद्यो।

सावधानीः-

दुवाई नअ बणायां पाछअ एक मअना कअ मांईंनअ काम ले लेणो चाईजे।

सम्पर्क

निर्माण सोसायटी

वार्ड नं. 6, तक़िया मस्जिद के पास,
काली हवेली के पीछे,
देशवालियों का मोहल्ला, चाकसू, जयपुर,
राजस्थान–303901

Email- rajasthanlanguages@nirmaan.org.in

Web- www.nirmaan.org.in

Ph:-01429-243997, 9982668204

सहयोगीः-

मुकेश कुमार योगी, कविता योगी एवं रतन लाल योगी

संपादकः-

रामजी लाल बैरवा

पूरण मल बैरवा

बजरंग लाल बैरवा